कुमार जीवन - 44

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमार जीवन शक्तिशाली जीवन है। कुमार जीवन में जो चाहे वह कर सकते हो। चाहे अपने को श्रेष्ठ बनायें, चाहे अपने को नीचे गिरायें। यह कुमार जीवन ही ऊंचा या नीचा होने वाली है। ऐसी जीवन में आप बाप के बन गये। विनाशी जीवन के साथी के कर्मबन्धन में बंधने के बजाए सच्चा जीवन का साथी ले लिया। कितने भाग्यवान हो!

➳ _ ➳ अभी आये तो अकेले आये या कम्बाइन्ड होकर आये? (कम्बाइन्ड) टिकेट तो नहीं खर्च की ना? तो यह भी बचत हो गई। वैसे अगर शरीर के साथी को लाते तो टिकेट खर्च करते, उनका सामान भी उठाना पड़ता और कमाकर रोज खिलाना भी पड़ता। यह साथी तो खाता भी नहीं सिर्फ वासना लेते हैं। रोटी कम् नहीं हो जाती और ही शक्ति भर जाती है। तो **बिना खर्चा, बिना मेहनत के और साथी भी अविनाशी, सहयोग भी पूरा मिलता है। मेहनत नहीं लेते और सहयोग देते हैं। कोई मुश्किल कार्य आये, याद किया और सहयोग मिला। ऐसे अनुभवी हो ना!** जब भक्तों को भी भक्ति का फल देने वाले हैं तो जो जीवन का साथी बनने वाले हैं उनको साथ नहीं देंगे? कुमार कम्बाइण्ड तो बने लेकिन इस कम्बाइन्ड में बेफिकर बादशाह बन गये। कोई झंझट नहीं, बेफिकर हैं। आज बच्चा बीमार हुआ, आज बच्चा स्कूल नहीं गया... या कोई बोझ नहीं। सदा निर्बन्धन। **एक के बन्धन में बंधने से अनेक बन्धनों से छूट गये। खाओ पियो मौज करो और क्या काम!** अपने हाथ से बनाया और खाया। जो चाहो वह खाओ। स्वतन्त्र हो। कितने श्रेष्ठ बन गये। दुनिया के हिसाब से भी अच्छे हो। समझते हो ना कि दुनिया के झंझटों से बच गये। आत्मा की बात छोड़ो, शरीर के कर्म बन्धन के हिसाब से भी बच गये। ऐसे सेफ हो।

➳ _ ➳ कभी दिल तो नहीं होती कि कोई ज्ञानी साथी बना दें? कोई कुमारी का कल्याण कर दें? ऐसी दिल होती है? यह कल्याण नहीं है - अकल्याण है। क्यों? एक बन्धन बंधा और अनेक बन्धन शुरु हुए। यह **एक बन्धन अनेक बन्धन पैदा करता। इसलिए मदद नहीं मिलेगी।** बोझ होगा। देखने में मदद है लेकिन है अनेक बातों का बोझ। जितना बोझ कहो उतना बोझ है। तो अनेक बोझ से बच गये। कभी स्वप्न में भी नहीं सोचना। नहीं तो ऐसा बोझ अनुभव करेंगे जो उठना ही मुश्किल। स्वतन्त्र रहकर बन्धन में बंधे तो पदमगुणा बोझ होगा। **वह अनजान से बिचारे बंध गये, आप जानबूझकर बंधेंगे तो और पश्चाताब का बोझ होगा।** कोई कच्चा तो नहीं है? कच्चे की गति नहीं होती। न यहाँ का रहता न वहाँ का रहता। आपकी तो सद्गति हो गई है ना। सद्गति माना श्रेष्ठ गति। थोड़ा संकल्प आता हैं? फोटो निकल रहा है। अगर कुछ नीचे ऊपर किया तो फोटो आयेगा। जितने पक्के बनेंगे उतना वर्तमान और भविष्य श्रेष्ठ है। **(11-05-1984)**

➢➢ कुमार जीवन के फायदे

➳ _ ➳ बुधी एकाग्र रहती है

➳ _ ➳ बुधी भटकती नहीं है

➳ _ ➳ पवित्रता का अथाह बल जमा रहता है

➳ _ ➳ कुमार जीवन में पुरुषार्थ के लिए ज्यादा समय

➳ _ ➳ कुमार जीवन में More Independent

➳ _ ➳ कुमार जीवन में More Freedom

➳ _ ➳ कुमार जीवन में More शक्ति

➳ _ ➳ कुमार जीवन में Attention ज्यादा

➳ _ ➳ कुमार जीवन में More Power Of Purity

➳ _ ➳ कुमार जीवन में More Space In Life

➳ _ ➳ कोई सामाजिक बंधन नहीं

➳ _ ➳ अनेक से बुधी हटाकर एक में लगी रहती है

➳ _ ➳ बेहद की वैराग्य वृत्ति बनी रहती है

➳ _ ➳ जीवन में हल्कापन रहता है

➳ _ ➳ कोई नए हिसाब किताब नहीं बनते

➳ _ ➳ सेवा में ज्यादा समय देकर अपना भाग्य बना सकते हैं